

## Heartfelt Treasures

The Believer's Blessings - (# 2)

January 10, 2021

TEXT: Matthew 6:9-34

KEY VERSE: Matthew 6:21

[Matthew 6:21](#) For where your treasure is,  
there will your heart be also.

It is better to have your bank in Heaven,  
then to have your heaven in a bank.

1) \_\_\_\_\_ Earthly Treasures.

2) \_\_\_\_\_ Heavenly Treasures.

3) \_\_\_\_\_ You Will Serve.

4) \_\_\_\_\_ Your Need.

5) \_\_\_\_\_ The Kingdom Of God.

**Text:**  
**Matthew**  
**6:19-34**

**Key Verse:**  
**Matthew 6:21**

4

1

---

---

---

---

---

---

---

---

**Key Verse:**

**For where**  
**your treasure is,**  
**there will**  
**your heart be also.**  
**(Matthew 6:21)**

5

2

---

---

---

---

---

---

---

---

**“What are you waiting for?”**

6

3

---

---

---

---

---

---

---

---

**Heartfelt Treasures  
The Believer's Blessings – (# 2)**

4

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed are the poor in spirit:  
for theirs is the kingdom of heaven.  
(Matthew 5:3)**

5

---

---

---

---

---

---

---

---

**Everything that God  
has promised you,  
everything that you  
are looking for,  
is available now,  
in time of need.**

6

---

---

---

---

---

---

---

---

**Key Verse:**

**For where  
your treasure is,  
there will  
your heart be also.  
(Matthew 6:21)**

7

---

---

---

---

---

---

---

---

**References:**

**Ephesians  
1:13-14**

**1 Corinthians  
6:19-20**

8

---

---

---

---

---

---

---

---

**When you have  
the Holy Ghost,  
you have  
the down payment  
of all the  
Believer's Blessings.**

9

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

43

10

---

---

---

---

---

---

---

---

**1) Lay Not Up Earthly Treasures.**

44

11

---

---

---

---

---

---

---

---

**Lay not up for yourselves  
treasures upon earth,  
where moth and rust doth corrupt,  
and where thieves  
break through and steal:  
(Matthew 6:19)**

45

12

---

---

---

---

---

---

---

---

**Heartfelt Treasures  
are not earthly.**

46

13

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

47

14

---

---

---

---

---

---

---

---

**And the cares of this world,  
and the deceitfulness of riches,  
and the lusts of  
other things entering in,  
choke the word,  
and it becometh unfruitful.  
(Mark 4:19)**

48

15

---

---

---

---

---

---

---

---

**Hearken, my beloved brethren,  
Hath not God chosen  
the poor of this world rich in faith,  
and heirs of the kingdom  
which he hath promised  
to them that love him?  
(James 2:5)**

49

16

---

---

---

---

---

---

---

---

**When  
money and things  
become the focus,  
the Lord is not  
in first place  
in your life.**

4:

17

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Lay Not Up Earthly Treasures.**
- 2) Lay Up Heavenly Treasures.**

4:

18

---

---

---

---

---

---

---

---

**But lay up for yourselves  
treasures in heaven,  
where neither moth  
nor rust doth corrupt,  
and where thieves  
do not break through nor steal:  
(Matthew 6:20)**

4c

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**True wealth  
is in Heaven.**

53

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**And whosoever shall give to drink  
unto one of these little ones  
a cup of cold *water*  
only in the name of a disciple,  
verily I say unto you,  
he shall in no wise lose his reward.  
(Matthew 10:42)**

54

21

---

---

---

---

---

---

---

---



**References:**

**Mark 9:41**

**1 Corinthians  
9:25**

55

22

---

---

---

---

---

---

---

---

**Henceforth there is laid up  
for me a crown of righteousness,  
which the Lord,  
the righteous judge,  
shall give me at that day:  
and not to me only,  
but unto all them also  
that love his appearing.  
(2 Timothy 4:8)**

56

23

---

---

---

---

---

---

---

---

**God blesses  
His people,  
while on earth  
and in Heaven.**

57

24

---

---

---

---

---

---

---

---

**Blessed *is* the man  
that endureth temptation:  
for when he is tried,  
he shall receive the crown of life,  
which the Lord hath promised  
to them that love him.  
(James 1:12)**

58

25

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

59

26

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Lay Not Up Earthly Treasures.**
- 2) Lay Up Heavenly Treasures.**
- 3) Choose Whom You Will Serve.**

50

27

---

---

---

---

---

---

---

---

**No man can serve two masters:  
for either he will hate the one,  
and love the other;  
or else he will hold to the one,  
and despise the other.  
Ye cannot serve God and mammon.  
(Matthew 6:24)**

5;

28

---

---

---

---

---

---

---

---

**And Elijah  
came unto all the people, and said,  
How long halt ye  
between two opinions?  
if the LORD *be* God, follow him:  
but if Baal, *then* follow him.  
And the people answered him  
not a word.  
(1 Kings 18:21)**

5c

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**And call ye on  
the name of your gods,  
and I will call on  
the name of the LORD:  
and the God that answereth by fire,  
let him be God.  
And all the people  
answered and said,  
It is well spoken.  
(1 Kings 18:24)**

63

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**And if it seem evil unto you  
to serve the LORD, choose you  
this day whom ye will serve;  
whether the gods  
which your fathers served that  
were on the other side of the flood,  
or the gods of the Amorites,  
in whose land ye dwell:  
but as for me and my house,  
we will serve the LORD.  
(Joshua 24:15)**

64

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

65

32

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Lay Not Up Earthly Treasures.**
- 2) Lay Up Heavenly Treasures.**
- 3) Choose Whom You Will Serve.**
- 4) God Knows  
Your Need.**

66

33

---

---

---

---

---

---

---

---

**(For after all these things  
do the Gentiles seek:)  
for your heavenly Father knoweth  
that ye have need  
of all these things.  
(Matthew 6:32)**

67

34

---

---

---

---

---

---

---

---

**Whatever  
your need is,  
God knows.**

68

35

---

---

---

---

---

---

---

---

**But my God shall supply  
all your need according to  
his riches in glory  
by Christ Jesus.  
(Philippians 4:19)**

69

36

---

---

---

---

---

---

---

---

**References:**

**Matthew  
7:7-12**

6:

37

---

---

---

---

---

---

---

---

**13 And whatsoever  
ye shall ask in my name,  
that will I do,  
that the Father  
may be glorified  
in the Son.  
14 If ye shall ask  
any thing in my name,  
I will do it.  
(John 14:13-14)**

6:

38

---

---

---

---

---

---

---

---

**If ye abide in me,  
and my words abide in you,  
ye shall ask what ye will,  
and it shall be done unto you.  
(John 15:7)**

6c

39

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

73

40

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) Lay Not Up Earthly Treasures.**
- 2) Lay Up Heavenly Treasures.**
- 3) Choose Whom You Will Serve.**
- 4) God Knows  
Your Need.**
- 5) Seek Ye First  
The Kingdom  
Of God.**

74

41

---

---

---

---

---

---

---

---

**But seek ye first  
the kingdom of God,  
and his righteousness;  
and all these things  
shall be added unto you.  
(Matthew 6:33)**

75

42

---

---

---

---

---

---

---

---

**When God is first,  
then everything  
starts right  
and ends well.**

76

43

---

---

---

---

---

---

---

---

**References:**

**Matthew  
10:34-39**

**Mark 10:29-30**

77

44

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

78

45

---

---

---

---

---

---

---

---



**Hearken, my beloved brethren,  
Hath not God chosen  
the poor of this world rich in faith,  
and heirs of the kingdom  
which he hath promised  
to them that love him?  
(James 2:5)**

79

46

---

---

---

---

---

---

---

---

**Behold, I come quickly:  
hold that fast which thou hast,  
that no man take thy crown.  
(Revelation 3:11)**

7:

47

---

---

---

---

---

---

---

---

**Concluding Verse:  
Revelation 4:10-11**

7:

48

---

---

---

---

---

---

---

---

- 1) **Lay Not Up Earthly Treasures.**
- 2) **Lay Up Heavenly Treasures.**
- 3) **Choose Whom You Will Serve.**
- 4) **God Knows  
Your Need.**
- 5) **Seek Ye First  
The Kingdom  
Of God.**

49

---

---

---

---

---

---

---

---

**It is better to have  
your bank  
in Heaven,  
then to have  
your heaven  
in a bank.**

50

---

---

---

---

---

---

---

---